राम नाईक
पूर्व पेट्रोलियम मंत्री

9 शिवस्मृति, 51, जयप्रकाश नगर
गोरेगाव पूर्व, मुंबई 400 063.
दूरभाष : 022-2686 33 39, फैक्स : 022-2686 11 33
ई मेल : ramnaik@vsnl.com

कृपया प्रकाशनार्थ

17 अक्टुबर 2008

पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री.राम नाईक द्वारा
17 अक्टुबर 2008 को मुंबई में पत्रकार परिषद में जारी किया वक्तव्य

पेट्रोलियम क्षेत्र की अराजकता रोक कर
डिजल, पेट्रोल और गैस के दाम कम करो - राम नाईक

मुंबई शुक्रवार :"पिछले 16 वर्षो में सबसे ज्यादा महंगाई विगत सितंबर में जनता पर थोपने के लिए तथा देश में विद्यमान आर्थिक मंदी लाने के लिए प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह और उनकी सरकार जिम्मेदार है. पेट्रोलियम क्षेत्र की अराजकता के कारण आम आदमी का जीना मुश्किल हुआ है ", ऐसी आलोचना करते हुए "अब विश्व बाजार में कच्चे तेल के दाम आधे से कम हुए है. इसलिए सरकार ने पेट्रोल - डिजल व रसोई गैस के जून 2008 में बढाए हुए दाम तुरंत वापस लेने चाहिए", ऐसी माँग पूर्व पेट्रोलियम मंत्री व भाजपा नेता श्री.राम नाईक ने शुक्रवार को मुंबई में पत्रकार सम्मेलन में की.

इस संदर्भ में विस्तार से बोलते हुए श्री.नाईक ने कहा,"जुलाई 2008 में अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चा तेल महंगा होकर 147 डालर प्रति बैरेल के दाम में मिलने लगा. उसके पहले ही विश्व बाजार में बढ रही किंमतों को देख कर कांग्रेस सरकार ने पेट्रोल प्रति लिटर रु.5.00 , डिजल प्रति लिटर रु.3.00 और रसोई गैस प्रति सिलंडर रु.50 से महंगा कर दिया था. मगर अब जब कच्चा तेल का दाम आधा हुआ है, प्रति बैरेल 72 डालर से मिल रहा है, तो दाम कम करने का सरकार नाम नहीं ले रही है. आम आदमी की पीडा का सरकार को एहसास ही नही है, सरकार संवेदनहीन बन गयी है." इतना ही नही तो 31 अगस्त को हवाई जहाज के लिए लगनेवाले इंधन का दाम प्रति लिटर रु.11.78 से और 1 अक्टुबर से प्रति लिटर रु.3.20 से याने रु. 15.00 कम कर दिया है. आम आदमी के लिए डिजल - रसोई गैस के दाम कम नहीं होते है, लेकिन अमीरों को लगने वाले हवाई इंधन का दाम कम होना, सरकार किस के लिए काम कर रही है यह बताता है , ऐसा भी श्री. नाईक ने कहा.

इथेनॉल अपनाने में आनाकानी

श्री.नाईक ने आगे कहा,"सच तो यह है कि डा.मनमोहन सिंह के सरकार ने न अपनी कुछ पेट्रोलियम नीती बनायी, न वाजपेयी सरकार की अच्छी नीती आगे बढायी. हमने तो गन्ना उत्पादक किसानों के हित में इथेनॉल का राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाया जिसके कार्यान्वयन से कच्चे तेल के आयात के लिए लगनेवाली विदेशी मुद्रा बचनेवाली थी. इतना ही नही, यह नीति पर्यावरण के भी हित में थी. जब हमारी सरकार थी तब गन्ना उत्पादक 9 राज्यों में पेट्रोल में 5 प्रतिशत इथेनॉल मिलाना 2003 में हमने शुरु किया था. योजना ऐसी थी की वर्ष 2004 में पुरे देश

..2..

निवास : बी-503, लक्षचंडी अपार्टमेंट, जनरल अरुणकुमार वैद्य मार्ग, कृष्णवाटिका रास्ता, गोकुळधाम, गोरेगाव पूर्व, मुंबई 400 063 • दूरभाष : 022-2841 33 99, फैक्स : 022-2842 33 99

राम नाईक
पूर्व पेट्रोलियम मंत्री

9 शिवस्मृति, 51, जयप्रकाश नगर
गोरेगाव पूर्व, मुंबई 400 063.
दूरभाष : 022-2686 33 39, फैक्स : 022-2686 11 33
ई मेल : ramnaik@vsnl.com

में 5 प्रतिशत इथेनॉलयुक्त पेट्रोल उपलब्ध हो और वर्ष 2005 तक सभी जगह 10 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाए. मगर सत्तापर आते ही वर्ष 2004 में 'लिकर लॉबी' के सामने झुक्कर कांग्रेसीयों ने इथेनॉल की खरीदारी ही बंद कर दी. अब पिछले हप्ते ही पेट्रोलियम मंत्रालय ने गहरी नींद से उठ कर फिर से इथेनॉल कार्यक्रम शुरु करने की घोषणा की है. मतलब चार वर्ष बेकार गये. केंद्र सरकार में महाराष्ट्र से श्री.शरद पवार कृषी मंत्री है, तो मुंबई के ही श्री.मुरली देवड़ा पेट्रोलियम मंत्री है. फिर भी गन्ना उत्पादक किसानों को और जनता को राहत नही मिली है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है."

रसोई गैस और मिट्टी के तेल का कालाबाजार

श्री.नाईक ने याद दिलाया कि उनके कार्यकाल में नए रसोई गैस कनेक्शन की प्रतिक्षा कर रहे 1.10 करोड ग्राहकों के साथ-साथ कुल 4 करोड परिवारों को रसोई गैस दिया. इतना ही नही तो जो ग्राहक दो सिलेंडर चाहते थे उन सबकी वह माँग भी पुरी की. 'माँग करते ही रसोई गैस' ऐसी सुस्थिती बनी. मगर अब फिर लाखो ग्राहक नए रसोई गैस कनेक्शन की प्रतिक्षा में हैं. वैसे तो 19 अगस्त 2008 में 8 लाख ग्राहकों की प्रतिक्षा सूचि दो महिनों के अंदर समाप्त करने का निर्णय घोषित भी हुआ था. मगर उस पर अमल दूर की बात, रिक्त सिलेंडर में गैस भरकर मिलने में भी 21 दिन से अधिक समय लग रहा है. सिलेंडर का बाटला एजंटों के दुकान से खुद ले जाने वाले ग्राहकों को जो रु.8 की छूट (रिबेट) मिलती थी उससे भी अबे मुंबई, दिल्ली,कोलकाता और चेन्नई जैसे महानगरों के ग्राहकों को वंचित कर दिया गया है. श्री.नाईक ने आगे कहा, "सिलेंडर और मिट्टी के तेल का कालाबाजार और भ्रष्टाचार इस समय चरम सीमा पर है."

नया पाईप गैस कनेक्शन भी नहीं.

श्री.राम नाईक ने अपने कार्यकाल में मुंबई में महानगर गैस लिमिटेड के माध्यम से घर-घर पाईपद्वारा रसोई गैस पहुँचाने की महत्वाकांक्षी योजना बनायी. उस पर अमल भी किया. इसके चलते आज मुंबई में 3.59 लाख परिवारों को पाईपद्वारा गैस मिल रहा है, तो 1.87 लाख ऑटो रिक्षा, टैक्सी भी सीएनजी पर दौड रही है. पाईप गैस एलपीजी सिलेंडर से सस्ता है और सीएनजी तो पेट्रोल से 75 प्रतिशत सस्ता है. मगर अब पाईपद्वारा गैस देने का काम भी पिछले छः महिनों से कांग्रेस सरकार ने बंद कर दिया है.

"पेट्रोलियम क्षेत्र के अन्य विभागों में भी अराजकता फैली है जिसका यह नतीजा है. इसी अराजकता के कारण दैनंदिन आवश्यकता की वस्तूओं के दाम भी आसमान छू रहे है. यह रोकना है तो पेट्रोल रु 5/-, डिजल रु. 3/- प्रति लिटर और गैस रु. 50/- प्रति सिलंडर सस्ता करो, वरना आम आदमी आनेवाले दिनों में कांग्रेस को सबक सिखाऐंगे ", ऐसी चेतावनी भी अंत में श्री.राम नाईक ने दी.

(कार्यालय मंत्री)